जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 249 प्रभात जालोर, मंगलवार 16 दिसम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

प्रियंका गांधी की गुप-चुप मुलाकात हुई प्रशांत किशोर से

प्रियंका गांधी ने मुलाकात की खबर को स्वीकार नहीं किया, पर, इनकार भी नहीं किया। नाराज़ होकर यह जरूर कहा, मैंने किस से मुलाकात की इससे आपको क्या सरोकार है

- प्रशांत किशोर ने ''हां, हूं, हां, हूं'' सा गोलमोल जवाब दिया, के.सी. वेणुगोपाल ने खबर को गलत बताया
- वर्तमान में वेणुगोपाल, कांग्रेस पार्टी के संचालन की बागडोर संभाले हैं तथा राहुल गांधी के सबसे विश्वासी नेता हैं।
- प्रियंका गांधी, वेणुगोपाल व उनके ग्रुप से खुश नहीं तथा इस ग्रुप को कांग्रेस के चिंताजनक हालात के लिए जिम्मेवार मानती हैं।
- प्रारंभ में जब प्रशांत किशोर मुख्य सलाहकार के रूप में उभर रहे थे, प्रियंका गांधी उनको कांग्रेस से जोड़ने की योजना की मुख्य पैरोकार थीं, पर, राहुल इस सोच के सख्त खिलाफ थे तथा सोनिया गांधी ने राहुल का पक्ष लिया था और प्रशांत किशोर चुप पड़ गए थे।
- अब पुनः प्रियंका गांधी का प्रशांत किशोर से गुप-चुप मुलाकात करना, प्रशांत किशोर के सोच व रणनीति से लाभ लेने का प्रयास है।
- राहुल गांधी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेणुगोपाल व उनका ग्रुप कांग्रेस को आगे बढ़ाने के लिए अलग सोच रखता है, जो आजकल प्रभावी है।
- राहलु गांधी व प्रियंका गांधी का कांग्रेस की दशा व दिशा के बारे में अलग-अलग सोच रखना, पार्टी के लिए शुभ संदेश नहीं है। इससे ''कंफ्यूज़न'' और बढ़ेगा, घटेगा नहीं।

- रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। बिहार चुनावों के बाद एक दिलचस्प घटनाक्रम सामने आया कि प्रशांत किशोर ने पिछले हफ्ते दिल्ली में प्रियंका गांधी से गुपचुप मुलाकात की थी।

प्रशांत किशोर ने पहले इस मुलाकात से इनकार किया, फिर ऑफ द रिकॉर्ड हिचकिचाते हुए प्रतिक्रिया दी, पर खुल कर कुछ नहीं कहा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. सी. वेणुगोपाल ने भी इस मुलाकात से इनकार किया।

लेकिन प्रियंका गांधी ने, मुलाकात को न तो स्वीकार किया और न ही नकारा, यह कहा कि ''मैं किससे मिलती हूं और किससे नहीं, इससे किसी को कोई भी मतलब नहीं होना चाहिए।''

कुछ तथ्य दिलचस्प हैं।

जब पहले प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होने के लिए बातचीत कर रहे थे और पार्टी को पुनः जीवित करने के लिए उन्होंने कई प्रस्तुतियां दी थीं, तब प्रियंका गांधी पूरी तरह से उनके समर्थन में थीं और चाहती थीं कि वे पार्टी के चुनावी पुनर्निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। लेकिन तब राहुल गांधी अड़ गए थे और उनका विरोध करते हुए कहा था कि प्रशांत किशोर को पार्टी में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ऑस्ट्रेलिया में आतंकी हमले के तार पाकिस्तान से जुड़े

सिडनी, 15 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में स्थित बॉन्डी बीच में रविवार को हुई फायरिंग में अब तक 16 लोगों की मौत की खबर आई है। वहीं, दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए हमले में हमलावरों की पहचान बाप-बेटे के रूप में हुई है। ये 50 वर्षीय साजिद अकरम और उनका 24 वर्षीय बेटा नवीद अकरम दोनों सिडनी में रहते थे। जांच में पता चला है कि दोनों पाकिस्तान मूल के हैं।

पुलिस की तरफ से जो वीडियो साझा किए गए, उनके जरिए सामने

- जांच में पता चला दोनों आरोपी साजिद व नवीद पिता पुत्र हैं तथा पाकिस्तान मूल के हैं।

आया कि एक बंदूकधारी साजिद अकरम और दूसरा उसका बेटा- नवीद अकरम था। साजिद पुल पर फायरिंग के बाद पार्क एरिया पहुंच गया। इस दौरान जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें लोगों को इधर-उधर भागते देखा गया।

आशंका है कि दोनों ने हमले की साजिश काफी पहले रच ली थी। उन्होंने कुछ हफ्ते पहले ही बॉन्डी बीच से आधे घंटे की दूरी पर स्थित कैंपसी में एक कमरा किराए पर ले लिया था। पुलिस ने यहां छापेमारी की है। इस जगह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नितिन नबीन को भाजपा अध्यक्ष बनाने की घोषणा से पार्टी के वरिष्ठ नेता ही नहीं, स्वयं नितिन भी अचंभित थे

वो बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ एक आयोजन में थे, जब उन्हें यह सूचना मिली

- 45 वर्षीय नितिन को पार्टी अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने पुराने स्थापित नेताओं, शिवराज सिंह चौहान, देवेन्द्र फड़नविस व धर्मेंद्र प्रधान, की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।
- हालांकि, नितिन पार्टी अध्यक्ष का स्थाई चार्ज जनवरी में लेंगे, परन्तु, लग यह रहा है कि इसके बाद भी वे मोदी व शाह के ''अंडरस्टडी'' ही रहेंगे, कुछ और समय तक।
- अगले वर्ष पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आसाम व केरल में विधानसभाओं के चुनाव हैं तथा 2027 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा का इलैक्शन है तथा प्र.मंत्री मोदी व गृह मंत्री अमित शाह, इन विधानसभा चुनावों में अहम भूमिका रखेंगे तथा सभी निर्णय लेंगे। शायद यह संभावना सूघंते हुए ही पुराने राजनीति स्तंभकार नितिन नबीन को ''पार्टी अध्यक्ष'' मान रहे हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर। महीनों से चल रही अटकलों को खत्म करते हुए, भाजपा संसदीय बोर्ड ने अपेक्षाकृत कम चर्चित नेता नितिन नवीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। माना जा रहा है कि जनवरी में उन्हें पूर्णकालिक पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

शिवराज सिंह चौहान, देवेन्द्र फड़नवीस या धर्मेन्द्र प्रधान जैसे स्थापित नेताओं को दरकिनार करते हुए, नितिन नवीन को आगे लाने का फैसला एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत माना जा रहा है। कायस्थ समुदाय के 45 वर्षीय नेता नितिन नवीन को भाजपा का सबसे युवा अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना है। हालांकि भाजपा के पुराने रूप, जनसंघ के दौर में, दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी 44 वर्ष की उम्र में सबसे युवा अध्यक्ष बने थे।

शीर्ष पदों के लिये चौंकाने वाले फैसले लेने की भाजपा की नीति के अनुरूप, नितिन नवीन का चयन न केवल पार्टी के पुराने नेताओं को स्तब्ध कर देने वाला रहा, और बल्कि नितिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भव्य सर्वदलीय सम्मेलन जैसा लगा शरद पवार का जन्मदिन समारोह

राहुल, प्रियंका, गौतम अडानी, तृणमूल, भाजपा व कई अन्य दलों के नेता दावत में शरीक हुए

- भाजपा प्रवक्ता नलिन कोहली, जो दावत में आए थे, ने कहा यह एक गैर राजनैतिक कार्यक्रम था, और यह हमारी परंपरा को दर्शाता है कि हम बड़ों को जन्मदिन की शुभकामनाएं देकर उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं।
- कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी इसी तरह की भावना जताई और कहा कि हर जगह राजनीति नहीं होनी चाहिए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर। एनसीपी-एसपी (नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी- शरद पवार) के प्रमुख शरद पवार के दिल्ली स्थित आवास पर बुधवार को एक निजी रात्रिभोज का आयोजन किया गया। यह आयोजन उनके 85वें जन्मदिन के उपलक्ष में रखा गया था। उनके आवास 6, जनपथ में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक दलों और कारोबारी जगत के प्रमुख लोग एक साथ दिखाई दिए।

इस रात्रिभोज में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार (हालाँकि वे अपने चाचा से राजनीतिक रूप से अलग हो चुके हैं), उद्योगपति गौतम अडानी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शामिल थे। इनके अलावा, डिनर में बहुत से सांसद भी मौजूद थे, जिनमें तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय, भाजपा नेता डी. पुरंदेश्वरी और केन्द्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू प्रमुख थे।

पूर्व केन्द्रीय रक्षा और कृषि मंत्री तथा महाराष्ट्र के चार बार मुख्यमंत्री रहे शरद पवार ने 12 दिसंबर को अपना 85वां जन्मदिन मनाया।

कार्यक्रम में शामिल भाजपा प्रवक्ता नलिन कोहली ने इसे पूरी तरह गैर-राजनीतिक बताया। उन्होंने पवार के आवास से निकलने के बाद कहा कि आयोजन वरिष्ठ सार्वजनिक हस्तियों को स्वास्थ्य और लंबी उम्र की शुभकामनाएँ देने की एक पुरानी सामाजिक परंपरा को दर्शा रहा था, खासकर उन लोगों को, जिनका समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह निजी कार्यक्रम था और इसका कोई राजनीतिक मतलब नहीं था।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी इसी प्रकार के भाव व्यक्त किये और राजनीति से ऊपर सामाजिक रिश्तों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''राजनीति हर जगह नहीं होनी चाहिए। समाज आपसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआईभर्ती- एसओजी का अब दस्तख़त-हैंड राइटिंग पर फोकस

जयपुर, 15 दिसम्बर। उप निरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा में पेपर लीक और डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास कराने के मामले में विशेष अभियान चलाते हुए स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) गहन जांच में जुटा है।

- परीक्षा केन्द्र पर लिए गए फोटो, हैंड राइटिंग व हस्ताक्षरों का वर्तमान रिकॉर्ड से मिलान करने पर फर्जीवाड़े उजागर हो रहे हैं।

अब तक गिरफ्तार सभी अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल की जा रही है। परीक्षा केन्द्र पर लिए गए फोटो, हैंडराइटिंग और हस्ताक्षरों का वर्तमान रिकॉर्ड से मिलान किया जा रहा है। संदेह की स्थिति में तकनीकी विश्लेषण और फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक्स पर एक यूज़र ने थरुर और राहुल की तुलना की

थरुर ने आभार जताते हुए पोस्ट शेयर की

- उक्त यूज़र सिविटास समीर ने राहुल गांधी को ''मोस्ट एलीट और इन्सुलेटेड'' नेता बताया अर्थात् जो बहुत हाई स्टेट्स वाला है और जनता के दर्द व समस्या से अनभिज्ञ है। उसने कहा, इसलिए राहुल की ग्रामीण जनमानस की राजनीति दिखावटी और अविश्वसनीय लगती है।
- यूज़र ने कहा, राहुल के विपरीत थरुर कांग्रेस की, 90 के दशक की शहर आधारित, सुधारवादी व संस्थागत विचारधारा वाली राजनीति से जुड़े हैं, पूर्व प्र.मंत्री मनमोहन सिंह, नरसिम्हा राव आदि भी इसी विचारधारा का अनुसरण करते थे। इसमें जन आंदोलन और सांस्कृतिक जुड़ाव की बजाय प्रशासनिक व संस्थागत सुधार को महत्व दिया जाता था।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने सोमवार की सुबह एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपनी तुलना नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से की। यह पोस्ट, जिसे रविवार शाम को एक यूज़र सिविटास समीर ने साझा किया था, इस बात की ओर इशारा करती है कि थरूर को पार्टी में दरकिनार किया जा रहा है। पोस्ट में थरूर के विचारों को साझा करते हुए राहुल गांधी को कांग्रेस के ''सबसे एलिट एण्ड इन्सुलेटेड'' (ऊंचे स्टेटस वाले और आम जनता के संघर्ष से अनभिज्ञ) नेता के रूप में चित्रित किया गया और यह निष्कर्ष निकाला गया कि आज कांग्रेस ''मुख्यतः विरोधी है, महत्वाकांक्षी नहीं।''

इस पोस्ट ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अंदरूनी मतभेदों का विश्लेषण किया, जिसमें पार्टी की शहरी सुधारवादी और ग्रामीण जन-आधारित दृष्टिकोणों के बीच संतुलन बनाने के संघर्ष को रेखांकित किया गया। समीर ने नोट किया कि थरूर और राहुल के बीच का अंतर पार्टी में दो दीर्घकालिक प्रवृत्तियों को दर्शाता है। पोस्ट में कहा गया है, ''समस्या उनके सह-अस्तित्व में नहीं है। समस्या कांग्रेस की यह असमर्थता है कि वह या तो एक दृष्टिकोण को चुन सके, उसे एकीकृत कर सके या उसे सही तरीके से लागू कर सके।''

समीर के अनुसार, थरूर 1990 के दशक के कांग्रेस दृष्टिकोण के अनुरुप हैं, जो शहरोन्मुखी था तथा संस्थागत सुधार में यकीन रखता था। इस फ्रेमवर्क के भीतर पी.वी. नरसिम्हा राव, मनमोहन सिंह, एस. एम. कृष्णा और मॉन्टेक सिंह अहलूवालिया जैसे नेता काम कर रहे थे, जो नीतियों, संस्थानों और प्रशासनिक क्षमता को जन आंदोलन या सांस्कृतिक जुड़ाव से अधिक प्राथमिकता देते थे। इन शहरी टैक्नोक्रेट नेताओं को कांग्रेस में अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, और प्राय इन्हें अपनी खुद की पार्टी की बजाय, दक्षिणपंथी वर्गों से अधिक पहचान मिलती है।

पोस्ट का तर्क है कि राहुल गांधी कांग्रेस की 2010 के बाद की रणनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो खुद को एक ग्रामीण, शिकायत करने वाली जन पार्टी के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है, तथा जिसका उद्देश्य भाजपा के प्रभुत्व का मुकाबला करना है। पोस्ट के अनुसार ''इस सब का सबसे विडंबनापूर्ण हिस्सा यह है कि जो व्यक्ति इस ग्रामीण रुझान का नेतृत्व कर रहा है, वह भारतीय राजनीति में सबसे अधिक एलिट और इंसुलेटेड व्यक्तियों में से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नितिन नबीन का दिल्ली में भव्य स्वागत

नयी दिल्ली, 15 दिसंबर। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने पार्टी के मुख्यालय में सोमवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित औपचारिक कार्यक्रम के दौरान नबीन ने

- भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष ने पार्टी मुख्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। शाह ने उनका अभिनंदन किया।

कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में विधिवत पदभार संभाला। इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें कुर्सी पर बैठाकर शुभकामनाएं दीं और संगठन में उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नितिन नबीन की नियुक्ति स्पष्ट संकेत है, अमित शाह का नरेन्द्र मोदी का उत्तराधिकारी होना, कोई गुप-चुप चर्चा का विषय नहीं, बल्कि एलानिया सत्य है

इस मासूम से दिख रहे राजनीतिक निर्णय ने कई वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं का भविष्य बर्फ में लगा दिया

- कई वरिष्ठ नेता आशा कर रहे थे, व्यापक सलाह मशविरा होगा तथा एक संतुलन बिठाने का प्रयास होगा, सरकार, संगठन व आर.एस.एस. के बीच।
- विश्वासी नितिन नबीन अब संगठन की मशीनरी के मुखिया हैं, इससे शाह की पकड़ अब सरकार व संगठन पर और मजबूत हो गई है।
- सूत्रों के अनुसार, आर.एस.एस. को आशा थी कि एक सर्वसम्मत उम्मीदवार, पार्टी अध्यक्ष बनेगा जो संघ की दीर्घकालीन विचारधारा व सोच को भी प्राथमिकता देगा, पर, अब आर.एस.एस. अपनी इस आशा की पूर्ति करने में अपने आप को कमज़ोर स्थिति में पायेगा।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। बिहार के मंत्री नितिन नबीन को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के अचानक फैसले ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में हलचल मचा दी है। इस कदम के बाद भाजपा के भीतर उभरती उत्तराधिकार की लड़ाई को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। कई वरिष्ठ नेताओं ने इस फैसले को ''अप्रत्याशित और झकझोर देने वाला'' बताया है और इसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सत्ता पर निर्णायक पकड़ बनाने के तौर पर देखा जा रहा है

पार्टी संगठन में ऊपर बढ़ने की उम्मीद लगाए बैठे कई दावेदारों के लिए 45 वर्षीय नितिन नबीन की नियुक्ति किसी झटके से कम नहीं है। एक वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर स्वीकार किया, इस एक फैसले ने कई राजनीतिक करियर को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। खास तौर पर उन नेताओं में अनिश्चितता ज्यादा है, जो मानते थे कि पार्टी के नेतृत्व परिवर्तन के अगले चरण में व्यापक सलाह-मशविरा होगा और सरकार, संगठन व आर.एस.एस. के बीच संतुलन बन जाएगा।

भाजपा के गलियारों में इस नियुक्ति को सामान्य संगठनात्मक फेरबदल के बजाय लंबे समय से चल रही उत्तराधिकार की बहस में एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है। मोदी सरकार में पहले से ही मजबूत स्थिति में मौजूद अमित शाह को अब अंदरूनी लोग ''पीएम-इन-वेटिंग'' के तौर पर पेश कर रहे हैं। पार्टी की कार्यकारी मशीनरी की कमान अपने भरोसेमंद सहयोगी नितिन नबीन को सौंपे जाने से सरकार और संगठन-दोनों पर शाह की पकड़ पहले से ज्यादा मजबूत नजर आ रही है।

पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि संगठन पर नियंत्रण, मोदी के बाद की राजनीति की दिशा तय करने में बेहद अहम है। एक भाजपा अंदरूनी सूत्र ने कहा, भाजपा अध्यक्ष सिर्फ प्रशासक नहीं होता, वही टिकट तय करता है, संदेश गढ़ता है और आंतरिक अनुशासन संभालता है। अपने वफादार को इस पद पर बैठाकर शाह ने यह लगभग तय कर दिया है कि जब भी उत्तराधिकार की पटकथा सामने आएगी, वह उनकी शर्तों पर ही लिखी जाएगी।

इस फैसले ने पार्टी के अंदरूनी माहौल को भी काफी हद तक बदल दिया है। सूत्रों के मुताबिक, इससे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की उस कोशिश पर भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज जारी होगा नई वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट

नयी दिल्ली, 15 दिसंबर। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, पुडुचेरी और लक्षद्वीप की संशोधित

- राजस्थान के साथ साथ पश्चिम बंगाल, गोवा, लक्षदीप पुडुचेरी की संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट चुनाव आयोग तथा राज्य चुनाव अधिकारियों की वेबसाइट पर अपलोड होगा।

सूचियों का मसौदा मंगलवार को प्रकाशित किया जाएगा।

चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने सोमवार को यहां बताया कि इन राज्यों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)